पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र
प्रयागराज
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ

कृषि विज्ञान केंद्र, बलिया में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी

कृषि विज्ञान केंद्र सोहांव, बलिया एवं पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27-02-2021 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी का विकास विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद , उत्तर प्रदेश के वित्तीय सहयोग से आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु विभिन्न कृषिवानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री संबंधित तकनीकी से किसानों, विद्यार्थियों तथा अन्य को अवगत कराना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख समन्वयक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आर पी मौर्य ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर बताया कि कृषिवानिकी अपनाकर कैसे किसान दोगुनी आय प्राप्त कर सकते हैं ।वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रेमलता श्रीवास्तव ने पर्यावरण के लिए वन तथा कृषिवानिकी की प्रासंगिकता पर

प्रकाश डाला। इंजीनियर महिपाल सिंह ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ वैज्ञानिक राजीव सिंह ने आंवला, सागौन , यूकेलिप्टस, गम्हार तथा औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

केंद्र में चल रही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ0 प्र0, लखनऊ की परियोजना - Introduction of Agroforestry Technologies in Eastern Plain Region of Uttar Pradesh के अंतर्गत हरिओम शुक्ला ने आंवला तथा सागौन आधारित कृषिवानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार हेतु मॉडलों के स्थापन, रखरखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर विस्तृत जानकारी देने के साथ आंवला के नरेंद्र किस्मों की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए उत्पाद / काष्ठ के बिक्री स्रोतों से भी अवगत कराया। सागौन आधारित कृषिवानिकी पर अमित कुमार ने अपने विचार रखे।

धन्यवाद ज्ञापन डा॰ राजीव सिंह , वैज्ञानिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा संजय सिंह तथा परियोजना प्रभारी ,डॉ अनुभा श्रीवास्तव ,वैज्ञानिक ,पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान प्रयागराज के मार्गदर्शन द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रशिक्षण पुस्तिकाये – **सागौन: आर्थिक समृद्धि हेतु व्यवसायिक खेती** तथा **आंवला की खेती – कृषकों हेतु वरदान तथा** यूकेलिप्टस व गम्हार से संबन्धित प्रशिक्षण साहित्य का भी वितरण प्रशिक्षार्थियों को केंद्र द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षार्थियों को आंवला तथा सागौन के कृषिवानिकी प्रदर्शन मॉडलों का भ्रमण भी कराया गया कार्यक्रम में 52 प्रतिभागीगण ने भाग लिया ,जिसमे प्रगतिशील किसान, विद्यार्थी तथा संबन्धित जन सम्मिलित थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार
वर्ष : 43 अंक 137
जौनपुर, रविवार
28 फरवरी 2021
तापमान
अधिकतम / न्यूनतम
34°C | 18°C
मूल्य 2.50 रुपये पृष्ठ-8
जौनपुर, अयोध्या, लखनऊ, पटना (बिहार), ठाणे (महाराष्ट्र), भोपाल (मप्र) से प्रकाशित

नरही (बलिया)। कृषि विज्ञान केंद्र सोहांव, बलिया एवं पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27-02-2021 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी का विकास विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद , उत्तर प्रदेश के वित्तीय सहयोग से आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख समन्वयक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आर पी मौर्य ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर बताया कि कृषिवानिकी अपनाकर कैसे किसान दोगुनी आय प्राप्त कर सकते हैं ।वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रेमलता श्रीवास्तव ने पर्यावरण के लिए वन तथा कृषिवानिकी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इंजीनियर महिपाल सिंह ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी विषय पर अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ वैज्ञानिक राजीव सिंह ने आंवला, सागौन , यूकेलिप्टस, गम्हार तथा औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती विषयों पर विस्तृत चर्चा की। आंवला आधारित कृषिवानिकी पर हरिओम शुक्ला तथा सागवान आधारित कृषिवानिकी पर अमित कुमार ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का सफल आयोजन पारि पुर्नस्थापन वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा संजय सिंह तथा परियोजना प्रभारी ,डॉ अनुभा श्रीवास्तव ,वैज्ञानिक ,पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान प्रयागराज के मार्गदर्शन द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।